प्रथम सत्र	प्रश्न पत्र प्रथम - हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	पूर्णांक १००	क्रेडिट ०६
इकाई- १	पाठ्यविषय -	अंक	
	साहित्य इतिहास लेखन और दृष्टि		
	हिन्दी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन एवं नामकरण		
	आदिकालीन साहित्य का परिदृश्य: सिद्ध और नाथ साहित्य, जैन साहित्य एवं प्रमुख रासोकाव्य/अमीर खुसरो की हिन्दी कविता, विद्यापति और उनकी पदावली		
	आदिकालीन हिन्दी साहित्य की मुय प्रवृतियाँ		
इकाई -२			
	भक्ति आंदोलन के उदय के सामाजिक सांस्कृतिक कारण		
	भक्ति काल की पृष्ठभूमि		
	भक्तिकालीन साहित्यिक प्रवृतियाँ		
	निर्गुण काव्य धारा		
	संतकाव्य काव्य परंपरा, परिचय और विकास		
	सूफी काव्य परम्परा		
	भारत में सूफीमत का उदय और विकास		
	संतकाव्य परम्परा के प्रमुख कवि और उनका काव्य (कबीरदास, रविदास, दादूदयाल, सुंदर दास)		
	सूफी काव्य परम्परा के प्रमुख कवि और उनका काव्य (जायसी, कुतुबन, मंझन, उस्मान)		
इकाई -३			
	सगुण काव्यधारा		
	राम भक्ति काव्य परम्परा और प्रवृतियाँ		
	कृष्ण भक्ति काव्य परम्परा का विकास और प्रवृतियाँ		
	रामभक्ति काव्य धारा के प्रमुख कवि और उनका काव्य (तुलसीदास, प्राणचन्द चौहान)		
	कृष्ण भक्ति काव्य धारा के प्रमुख कवि और उनका काव्य (सूरदास, नंददास, कुंभनदास)		
इकाई -४			
	रीतिकाल सामाजिक सांस्कृतिक परिवेश		
	नामकरण एवं पृष्ठभूमि,मूल स्रोत एवं मुख्य प्रवृतियाँ		
	रीति कवि और उनका काव्य (केशव, बिहारी, देव, मतिराम)		
	रीतिमुक्त काव्य धारा के कवि और उसकी मुख्य प्रवृतियाँ (घनानंद, आलम बोधा, ठाकुर एवं द्विजदेव)		
	रीतिबद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य की विभेदक विशेषताएँ।		

प्रस्तावित सन्दर्भग्रन्थ :

हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल

हिंदी साहित्य की भूमिका : हजारीप्रसाद द्विवेदी

रीतिकाव्य की भूमिका : डॉ. नगेन्द्र

हिंदी साहित्य का इतिहास : संपादक डॉ. नगेन्द्र

साहित्य का इतिहास दर्शन : नलिन विलोचन शर्मा

हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : रामकुमार वर्मा

अन्य सहायक पुस्तकें -

साहित्य और इतिहास दृष्टि : मैनेजर पांडेय

मध्यकालीन बोध का स्वरूप : हजारीप्रसाद द्विवेदी

हिंदी साहित्य का अतीत (भाग 1, 2) : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

हिंदी साहित्य का इतिहास : पूरनचंद टंडन, विनीता कुमारी
अपभ्रंश साहित्य : हरिवंश कोछड.
आदिकालीन हिंदी साहित्य की सांस्कृतिक पृष्टभूमि : राममूर्ति त्रिपाठी

प्रथम सत्र	प्रश्न पत्र द्वितीय - आदिकालीन काव्य	पूर्णांक १००	क्रेडिट ०६
इकाई- १	**पाठ्यविषय** - आदिकालीन कवियों और उनकी कविताओं का विशिष्ट ज्ञान। प्रमुख कवियों एवं उनकी कविता की समझ विकसित होगी।	**अंक**	
	दोहा कोश, संपादक - राहुल सांकृत्यायन		
	षड्दर्शन खंडन - ब्राहमण : दोहा 1,2		
	करूणा सहित भावना : दोहा 17		
	चित : दोहा 24,25 सहज, महासुख 42,43,44		
	परमपद : 49		
	देह ही तीर्थ ९६ (कुल १०)		
इकाई- २			
	गोरखबानी, संपादक - पीतांबरदत्त बडथ्वाल (पद १ से २० तक)		
इकाई- ३			
	पृथ्वीराजरासो : संपादक - माताप्रसाद गुप्त कयमासवध (संपूर्ण)		
इकाई- ४			
	विद्यापति की पदावली : संपादक रामवृक्ष बेनीपुरी		
	पद : 1,2,5,10,18,23,27,29,36,42 (कुल पद 10)		

प्रस्तावित सन्दर्भग्रन्थ

हिंदी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी

अपभ्रंश साहित्य : हरिवंश **कोछड.**

नाथ संप्रदाय : हजारीप्रसाद द्विवेदी

हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योग : नामवर सिंह

पृथ्वीराज रासो की भाषा : नामवर सिंह

अन्य सहायक पुस्तकें -

प्राकृत-अपभ्रंश साहित्य और उसका हिंदी पर प्रभाव : राम सिंह तोमर

सिद्ध-साहित्य : धर्मवीर भारती

अपभ्रंश भाषा और साहित्य : राजमणि शर्मा

विद्यापति : शिव प्रसाद सिंह

आदिकालीन हिंदी साहित्य : अध्ययन की **दिशाएँ** : अनिल राय

गोरखनाथ और उनका युग : रांगेय राघव

प्रथम सत्र	प्रश्न पत्र तृतीय - भक्ति काव्य (निर्गुण और सगुण भक्ति काव्य)	पूर्णांक १००	क्रेडिट ०६
इकाई- १ कबीर	**पाठ्यविषय** - विभिन्न कवियों और उनकी कविताओं का विशिष्ट ज्ञान। प्रमुख कवियों एवं उनकी कविता की समझ विकसित होगी।	**अंक**	
	कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी पद संख्या : 35,108,112,123,153,168,181,206,250 (कुल 11)		
	साखी संख्या : 103,113,139,157,190,191,199,200,201,231 (कुल 10)		
इकाई- २	जायसी		
	जायसी ग्रंथावली : रामचंद शुक्ल (संपादक)		
	मानसरोदक खंड, नागमती वियोग खंड		
इकाई- ३	सूरदास		
	भ्रमरगीतसार : रामचंद्र शुक्ल (संपादक)		
	पद संख्या : 3,4,7,9,11,16,18,21,22,24,30,34,37,42,45,52,75,85,100,125,133 (कुल पद 22)		
इकाई- ४	तुलसीदास		
	उत्तरकांड, रामचरितमानस, संपादक - रामचंद्र शुक्ल		

प्रस्तावित सन्दर्भग्रन्थ:

गोस्वामी तुलसीदास : रामचंद्र शुक्ल

तुलसी आधुनिक वातायन से : रमेश कुंतल मेघ

लोकवादी तुलसीदास : विश्वनाथ त्रिपाठी

तुलसी काव्य-मीमांसा : अद्यभानु सिंह

गोसाई तुलसीदास : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

सूरदास : रामचंद्र शुक्ल

सूर साहित्य : हजारी प्रसाद द्विवेदी

महाकवि सूरदास : नंद दुलारे वाजपेयी

सूर और उनका साहित्य : हरवंशलाल शर्मा

सूरदास : ब्रजेश्वर वर्मा

कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी

कबीर की विचारधारा : गोविंद त्रिगुणायत

कबीर साहित्य की परख : परशुराम चतुर्वेदी

त्रिवेणी : रामचंद्र शुक्ल

जायसी : विजयदेव नारायण साही

प्रथम सत्र	**प्रश्न पत्र चर्तुथ - हिन्दी के अन्य गद्य रूप**	पूर्णांक १००	क्रेडिट ०६
	पाठ्यविषय - हिंदी साहित्य के गद्य का विशिष्ट ज्ञान। प्रमुख लेखकों और उनकी कृतियों की समझ विकसित होगी।	**अंक**	
इकाई- १ निबंध	बालकृष्ण भटट : आत्मनिर्भरता		
	रामचंद्र शुक्ल : श्रद्धा एवं भक्ति		
	विद्या निवास मिश्र : भारतीय संस्कृति		
	हजारी प्रसाद द्विवेदी : अशोक के फूल		
	अध्यापक पूर्ण सिंह : आचरण की सभ्यता		
इकाई- २ आत्मकथा एवं जीवनी			
	हरिवंश राय बच्चन : क्या भुलूँ क्या याद करूँ		
	विष्णु प्रभाकर : आवारा मसीहा		
इकाई- ३ रेखाचित्र एवं संस्मरण			
	महादेवी वर्मा : स्मृति की रेखाएँ		
	रामवृक्ष बेनीपुरी : माटी की मूरतें		
इकाई-४ यात्रावृत्तांत एवं पत्र साहित्य			
	यात्रावृत्तांत अज्ञेय : एक बूँद सहसा उछली		
	पत्र साहित्य निराला : निराला के पत्र		

प्रस्तावित सन्दर्भग्रन्थ

मैला ऑचल की रचना - प्रक्रिया : देवेश ठाकुर

अन्य सहायक पुस्तकें -

आधुनिक हिंदी उपन्यास : सं. नरेंद्र मोहन

क्रांति का विचार और हिंदी उपन्यास : प्रेम सिंह

कहानी : नयी कहानी : नामवर सिंह

नयी कहानी : संदर्भ और प्रकृति : देवीशंकर अवस्थी

नयी कहानी की भूमिका : कमलेश्वर

एक दुनिया समानांतर : राजेंद्र यादव

नयी कहानी : प्रकृति और पाठ : सुरेंद्र चौधरी

प्रथम सत्र	**प्रश्न पत्र पंचम** - भारतीय काव्यशास्त्र	**पूर्णांक** १००	**क्रेडिट ०६**
	पाठ्यविषय - भारतीय काव्यशास्त्र की समझ विकसित होगी। भारतीय चिंतन परंपरा की समझ विकसित होगी एवं भारतीय काव्य की जानकारी अतीत और वर्तमान की कृतियों के बीच आलोचनात्मक संबंध निर्माण करना।	**अंक**	
इकाई- १	काव्य का स्वरूप		
	काव्य लक्षण		
	काव्य हेतु, काव्य-प्रयोजन		
	रस सिद्धांत की अवधारणा, रस निष्पत्ति, और साधारणीकरण		
	रसानुभूति की प्रकिया, स्वरूप		
इकाई- २			
	अलंकार सिद्धांत एवं अवधारणा, वर्गीकरण		
	अलंकार और अलंकार्य, मुख्य स्थापनाएं		
	रीति सिद्धांत और अवधारणा, रीति के भेद-उपभेद, काव्य गुण		
इकाई- ३			
	ध्वनि सिद्धांत एवं अवधारणा, ध्वनि का विचार स्रोत		
	ध्वनि का महत्व, ध्वनिके भेद-उपभेद, गुणीभूत व्यंगय, चित्रकाव्य		
इकाई-४			
	वक्रोक्ति सिद्धांत एवं अवधारणा		
	औचित्य सिद्धांत और उसकी अवधारणा		

प्रस्तावित सन्दर्भग्रन्थ

रस सिद्धांत : नगेंद्र

भारतीय काव्यशास्त्र : हरीशचन्द्र वर्मा

भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त इतिहास : सत्यदेव चौधरी एवं शांति स्वरूप गुप्त

भारतीय काव्यशास्त्र के नए क्षितिज : राममूर्ति त्रिपाठी

हिंदी काव्यशास्त्र का इतिहास : भागीरथ मिश्र

द्वितीय सत्र	प्रश्न पत्र प्रथम २०१ - रीतिकाव्य	पूर्णांक १००	केडिट ०६
	पाठ्यविषय - हिंदी साहित्य के रीतिकाल का ज्ञान। प्रमुख कवियों एवं उसकी कविता की समझ विकसित होगी।	अंक	
इकाई- १			
	केशवदास केशव कौमुदी (प्रथम भाग) संपादक - लाला भगवानदीन 11वां प्रकाश - छंद संख्या 1-41 तक		
इकाई- २			
	बिहारी : बिहारी सतसई: बिहारी रत्नाकर संपादक : श्री जगन्नाथ रत्नाकर, लोकभारती प्रकाशन (दोहा सं. 1,5,7,9,10,11,15,20,21,22,25,32,38,45,57, 55,67,71,73,78,85,91,99,106,121,124,127,135,140,146,151,171,188,191 ,192,207,295,300,317,406,428,432,588,658, (कुल पद 48)		
इकाई- ३			
	घनानंद : सुजान हित: घनानंद ग्रंथावली संपादक : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र पद संख्या 1-17 तक 21,22,24,25,26,32,37,41,50,57,64,66,78,90,(कुल पद 33)		
इकाई-४			
	गुरूगोविन्द सिंह : चंडी चरित्र उक्ति विलास पद संख्या 1 से 116 तक (प्रथम तीन अध्याय)		

प्रस्तावित सन्दर्भग्रन्थ

मतिराम : कवि और आचार्य : महेंद्र कुमार

बिहारी सार्धशती : ओमप्रकाश

बिहारी : ओमप्रकाश

बिहारी की काव्य सृष्टि : जय प्रकाश

बिहारी की वाग्विभूति : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

घनानंद काव्य और आलोचना : किशोरी लाल

घनानंद के काव्य में अप्रस्तुत योजना : मनोहर लाल

घनानंद : लल्लन राय

गुरू गोबिन्द सिंह और उनकी हिंदी कविता : महीप सिंह

गुरू गोबिन्द सिंह के साहित्य में भारतीय संस्कृति : धर्मपाल मैनी

द्वितीय सत्र	प्रश्न पत्र द्वितीय २०२ - छायावादी काव्य	पूर्णांक १००	क्रेडिट ०६
	पाठ्यविषय - छायावादी कवियों एवं कविताओं का विशिष्ट ज्ञान प्रमुख कवियों एवं उनकी कविता की समझ विकसित होगी	**अंक**	
इकाई- १			
	जयशंकर प्रसाद: कामायनी, चिंता, आशा श्रद्धा।		
इकाई- २			
	निराला : राग विराग- संपादक, राम विलास शर्मा		
	राम की शक्ति पूजा		
	तुलसीदास		
इकाई-३			
	सुमित्रानंदनपंत (बादल) नौका विहार, अनामिका कवि के प्रति, धरती कितना देती है।		
इकाई-४			
	महादेवी वर्मा दीपशिखा (पंथ होने दो, अपरिचित, बुझे दीपक जला लूँ, यह मंदिर का दीप, जो न प्रिय पहचान पाती, मोम सा तन घुल चुका, पूछता क्यों शेष कितनी रात		

प्रस्तावित सन्दर्भग्रन्थ

अतीत का हंस - प्रभाकर श्रोत्रिय

साकेत : एक अध्ययन - नगेन्द्र

मैथिलीशरण गुप्त : प्रासंगिकता के अतं:सूत्र - कृष्णदत्त पालीवाल

त्रयी (प्रसाद, निराला और पंत) - जानकील्लभ शास्त्री

छायावाद के आधार-स्तंभ - गंगाप्रसाद पाण्डेय

छायावाद - नामवर सिंह

अन्य सहायक पुस्तकें -

छायावादी कवियों का सौंदर्य-विधान - सूर्यप्रसाद दीक्षित

जयशंकर प्रसाद - नंददुलारे वाजपेयी

कामायानी : एक पुनर्विचार - मुक्तिबोध

कामायानी के अध्ययन की **समस्याएँ** - नगेन्द्र

निराला की साहित्य साधना, भाग-2 - रामविलास शर्मा

कवि निराला - नंददुलारे वाजपेयी

निराला : आत्महंता आस्था दूधनाथ सिंह

निराला काव्य की छवियाँ - नंदकिशोर नवल

द्वितीय सत्र	प्रश्न पत्र तृतीय २०३ - हिन्दी नाटक	पूर्णांक १००	क्रेडिट ०६
	पाठ्यविषय - हिंदी नाटकों का विशिष्ट ज्ञान नाटककारों और नाटकों की समझ विकसित करना	अंक	
इकाई- १			
	भारतेंदु हरिशचन्द्र : अंधेर नगरी		
इकाई- २			
	जयशंकर प्रसाद : स्कन्दगुप्त		
इकाई-३			
	धर्मवीर भारती : अंधायुग		
इकाई-४			
	मोहन राकेश : आषाढ का एक दिन		

प्रस्तावित सन्दर्भग्रन्थ

1. हिंदी नाटक : उद्भव और विकास : दशरथ ओझा
2. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच : नेमिचंद्र जैन
3. हिंदी नाटक : समाजशास्त्रीय अध्ययन : सीताराम झा 'श्याम'
4. भारतेंदु हरिश्चंद्र : रामविलास शर्मा
5. नाटककार भरतेंदु की रंग परिकल्पना : सत्येंद्र तनेजा
6. जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता : प्रभाकर श्रोत्रिय

अन्य सहायक पुस्तकें

7. प्रसाद के नाटक : देश और काल की बहुआयामिता : रमेश गौतम
8. मोहन राकेश और उनके नाटक : गिरीश रस्तोगी
9. मोहन राकेश : साहित्यिक और सांस्कृतिक दृष्टि : मोहन राकेश
10. आज का हिंदी नाटक : प्रगति और प्रभाव : दशरथ ओझा
11. मोहन राकेश के सम्पूर्ण नाटक : नेमिचंद्र जैन
12. हिंदी नाटक : मिथक और यथार्थ : रमेश गौतम
13. हिंदी नाटक : आजकल : जयदेव तनेजा
14. भारतीय नाट्य साहित्य : नगेंद्र

द्वितीय सत्र	प्रश्न पत्र चतुर्थ २०४ - सामान्य भाषा विज्ञान	पूर्णांक १००	क्रेडिट ०६
	पाठ्यविषय - भाषा विज्ञान की समझ विकसित होगी भाषा की विशेषताओं और उपांगो का विश्लेषणात्मक ज्ञान विकसित करना	अंक	
इकाई- १			
	भाषा: परिभाषा, तत्व, अंग, प्रकृति, विशेषताएं । भाषा परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं		
	भाषा विज्ञान - परिभाषा एवं स्वरूप, अंग, प्रमुख अध्ययन पद्धति		
इकाई-२			
	स्वनविज्ञान - परिभाषा, स्वन, संस्वन,और स्वनिम।		
	स्वनभेद, मानस्वर, स्वनपरिवर्तन के कारण एवं दिशाएं।		
इकाई-३			
	रूपिम विज्ञान - शब्द और रूप, संबध तत्व, अर्थतत्व, रूप, संरूप, रूपिम, स्वानिम, रूपिमों का स्वरूप, रूपिमों का वर्गीकरण।		
इकाई-४			
	वाक्य विज्ञान : वाक्य की परिभाषा, संरचना, निकटस्थ अवयव, वाक्य के प्रकार, वाक्य रचना में परिवर्तन - कारण एवं दिशाएं		
	अर्थ विज्ञान - शब्दार्थ संबंध विवेचन, अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं		

प्रस्तावित सन्दर्भग्रन्थ

भाषाविज्ञान : भोलानाथ तिवारी

भाषाविज्ञान की भूमिका : देवेन्द्र नाथ शर्मा

आधुनिक भाषाविज्ञान : राजमणि शर्मा

भाषाशास्त्र की रूपरेखा : उदयनारायण तिवारी

भाषा और समाज : रामविलास शर्मा

अन्य सहायक पुस्तकें -

भाषा : ब्लूमफील्ड (अनुवाद : विश्वनाथ प्रसाद)

हिंदी भाषा का इतिहास : धीरेंद्र वर्मा

सामान्य भाषाविज्ञान : वैश्ना नारंग

ध्वनिविज्ञान : गोलोक बिहारी ढल

अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान : रवींद्रनाथ श्रीवास्तव

तृतीय सत्र	**प्रश्न पत्र प्रथम ३०१ - आधुनिक हिन्दी काव्य**	**पूर्णांक १००**	**क्रेडिट ०६**
	पाठ्यविषय - हिन्दी साहित्य के आधुनिक इतिहास का ज्ञान प्रमुख कवियों एवं उनकी कविता की समझ विकसित होगी।	**अंक**	
इकाई- १			
	अज्ञेय : आँगन के पार द्वार		
	असाध्यवीणा		
इकाई-२			
	भवानी प्रसाद मिश्र		
	गीत फरोश		
	सतपुडा के जंगल		
इकाई-३			
	रामधारी सिंह दिनकर: उर्वशी (तीसरा सर्ग)		
	रघुवीर सहाय: दयावती का कुनबा		
	नई हँसी		
इकाई-४			
	नागार्जुन : प्रतिनिधि कविताएं संपादक-नामवर सिंह		
	बादल को घिरते देखा		
	बहुत दिनों के बाद		
	अकाल और उसके बाद		

प्रस्तावित सन्दर्भग्रन्थ

1- नयी कविता और अस्तित्वाद - रामविलास शर्मा

2- कविता के नए प्रतिमान -- नामवर सिंह

3- कविता की जमीन और जमीन की कविता - नामवर सिंह

4- आधुनिक हिंदी कविता - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

5- समकालीन कविता का यथार्थ - परमानंद श्रीवास्तव

अन्य सहायक पुस्तकें -

6- समकालीन हिंदी कविता - रवींद्र भ्रमर

7- आधुनिक कविता-यात्रा - रामस्वरूप चतुर्वेदी

8- अज्ञेय साहित्य - प्रयोग और मूल्यांकन -केदार शर्मा

9- अज्ञेय की काव्यतितीर्षा - नंदकिशोर आचार्य

10- रघुवीर सहाय की कविता - सुरेश शर्मा

11- कवियों का कवि शमशेर : रंजना **अरगडे**

तृतीय सत्र	प्रश्न पत्र द्वितीय ३०२ - हिन्दी कथा साहित्य	पूर्णांक १००	क्रेडिट ०६
	पाठ्यविषय - कथा साहित्य का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्रमुख लेखकों और उनकी रचनाओं की समझ विकसित करना।	अंक	
इकाई- १ उपन्यास			
	प्रेमचंद: गोदान		
इकाई-२			
	फणीश्वरनाथ रेणु: मैला आँचल		
इकाई-३ कहानी			
	चंद्रधर शर्मा गुलेरी: उसने कहा था		
	जयशंकर प्रसाद: मधुआ		
	अज्ञेय: रोज		
	अमरकांत: जिंदगी और जोंक		
	मन्नूभंडारी: यही सच है।		
इकाई-४			
	भीष्म साहनी: चीफ की दावत		
	निर्मला वर्मा: परिंदे		
	उषा प्रियंवदा: वापसी		
	कमलेश्वर: राज निरबंसिया		
	मोहन राकेश: मलबे का मालिक		

प्रस्तावित सन्दर्भग्रन्थ

हिंदी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी

हिंदी आलोचना के नए वैचारिक सरोकार : कृष्णदत्त पालीवाल

हिंदी आलोचना का विकास : नंदकिशोर नवल

आलोचक और आलोचना : बच्चन सिंह

आलोचना के प्रगतिशील आयाम : शिवकुमार मिश्र

अन्य सहायक पुस्तकें -

आचार्य रामचंद शुक्ल और हिंदी आलोचना : रामविलास शर्मा

हिंदी समीक्षा : स्रोत एवं सूत्रधार : सत्यदेव मिश्र

आलोचना : प्रकृति और परिवेश : तारकनाथ बाली

दूसरी परंपरा की खोज : नामवर सिंह प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा

प्रेमचंद : एक साहित्यिक विवेचन : नंददुलारे वाजपेयी

तृतीय सत्र	प्रश्न पत्र तृतीय ३०३ - संस्कृत साहित्य का इतिहास	पूर्णांक १००	क्रेडिट ०६
	पाठ्यविषय -	अंक	
इकाई- १			
	वैदिक साहित्य		
इकाई-२			
	महाकाव्य साहित्य		
इकाई-३			
	रूपक साहित्य		
इकाई-४			
	गद्य कथा चम्पू तथा स्तोत्र साहित्य		
इकाई-५			
	आधुनिक संस्कृत साहित्य		

प्रस्तावित सन्दर्भग्रन्थ: नंदा जी

तृतीय सत्र	**प्रश्न पत्र चर्तुथ ३०४ - हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)**	**पूर्णांक १००**	**क्रेडिट ०६**
	पाठ्यविषय - इतिहास लेखन की समझ विकसित करना हिन्दी साहित्य के आधुनिक युगों का विश्लेषणात्मक अध्ययन।	**अंक**	
इकाई- १			
	आधुनिक काल की पृष्ठभूमि सामाजिक, आर्थिक, सामाजिक (1857 के स्वाधीनता संग्राम से 1947 तक का राजनीतिक इतिहास, नवजागरण)		
इकाई-२			
	भारतेंदु युग: प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं, साहित्यिक प्रवृतियाँ		
	द्विवेदी युग: साहित्यकार, रचनाएं साहित्यिक प्रवृतियाँ		
इकाई-३			
	प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता		
इकाई-४			
	निबंध, आलोचना नाटक उद्भव और विकास		
	उपन्यास, कहानी, पत्रकारिता: उद्भव और विकास		

प्रस्तावित सन्दर्भग्रन्थ

हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल

हिंदी साहित्य का इतिहास : सं. नगेन्द्र

आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास : बच्चन सिंह

हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी

अन्य सहायक पुस्तकें -

साहित्य और इतिहास दृष्टि : मैनेजर पाण्डेय

हिंदी का गद्य साहित्य : रामचन्द्र तिवारी

तृतीय सत्र	**प्रश्न पत्र पंचम ३०५ - पाश्चात्य काव्यशास्त्र**	**पूर्णांक १००**	**क्रेडिट ०६**
	पाठ्यविषय - पाश्चात्य काव्य की समझ पाश्चात्य चिंतनपरंपरा की समझ विकसित होगी।	**अंक**	
इकाई- १			
	प्लेटो: काव्य सिद्धांत		
	अरस्त: अनुकरण और विरेचन सिद्धांत, त्रासदी विवेचन		
इकाई-२			
	कालरिज: कविता और काव्यभाषा, कल्पना-सिद्धांत		
	मैथ्यू आर्नल्ड: कविता और जीवन, जीवन एवं समाज		
	टी एस इलियट: परंपरा और वैयक्तिक प्रतिभा का संबंध		
इकाई-३			
	लांजाइनस का काव्य सिद्धांत		
	आई.ए. रिचर्डस: मूल्य, संप्रेषण, व्यवहारिक समीक्षा-सिद्धांत		
	एफ. आर लीविस: साहित्य और नैतिक बोध		
इकाई-४			
	पाठक वाली आलोचना: शास्त्रवाद, यथार्थवाद, संरचनावाद, उत्तरसंरचनावाद, स्वच्छंदतावाद		

पाश्चात्य काव्यशास्त्र : देवेन्द्रनाथ शर्मा

नई समीक्षा : नये संदर्भ : डॉ. नगेन्द्र

काव्य चिंतन की पश्चिमी परंपरा : निर्मला जैन

पाश्चात्य काव्यशास्त्र : नई **प्रवृत्तियाँ** : राजनाथ

कॉलरिज : आलोचना-सिद्धांत : कृष्णदत्त शर्मा

संरचनावाद, उत्तर -संरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र : गोपीचंद नारंग

अन्य सहायक पुस्तकें -

पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास : तारकनाथ बाली

पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा : सावित्री सिन्हा

भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त इतिहास : सत्यदेव चौधरी एवं शांति स्वरूप गुप्त

पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा : (संपादक) नगेन्द्र

उदात्त के विषय में : निर्मला जैन

सेमेस्टर IV

ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Elective Courses)

(किन्ही पाँच पत्र का अध्ययन अपेक्षित है)

चर्तुथ सत्र	**प्रश्न पत्र प्रथम** - पूर्वमध्यकालीन (भक्ति)काव्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Elective Courses)	पूर्णांक १००	क्रेडिट ०६
	पाठ्यविषय - पूर्वमध्यकालीन युग का विशिष्ट ज्ञान प्रमुख कवियों व उनकी कविता की समझ विकसित होगी	अंक	
इकाई- १			
	तुलसी - गीता प्रेस गोरखपुर, अयोध्याकाण्ड (1 से 50 छंद)		
	अरस्त: अनुकरण और विरेचन सिद्धांत, त्रासदी विवेचन		
इकाई-२			
	सूरदास, सूरसागर (विनय और भक्ति (1 से 30 छंद)		
इकाई-३			
	मीरा- मीराबाई की पदावली : परशुराम चतुर्वेदी पद सं0-1,2,3,4,5,11,14,16,17,19,20,22,23,36, 39,71,72,73,76,82,90,91,93,99,100,101,102(27पद) **रहीम** - रहीम दोहावली, दोहा संख्या(1 से 50) संपादक-विद्या निवास मिश्र		

प्रस्तावित सन्दर्भग्रन्थ

गोस्वामी तुलसीदास : रामजी तिवारी

तुलसी नए संदर्भ में : रामनरेश मिश्र

गोस्वामी तुलसीदास : रामचंद्र शुक्ल

गोसाई तुसीदास : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

महाकवि सूर और भ्रमरगीत : शंकरदेव अवतरे

भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य : मैनेजर पांडेय

महाकवि सूरदास : स. बलदेव वंशी

सूरसागर सेतु : प्रभु दयाल मीतल

भ्रमरगीत का काव्य वैभव : मनमोहन गौतम

मीरा का काव्य : भगवानदास तिवारी

मीरा का पूनर्मूल्यांकन : सं. सुरेश गौतम

मीराबाँई की पदावली : सं. परशुराम चतुर्वेदी

चर्तुथ सत्र	**प्रश्न पत्र द्वितीय - उत्तर मध्यकालीन काव्य** **ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Elective Courses)**	पूर्णांक १००	क्रेडिट ०६
	पाठ्यविषय - हिन्दी साहित्य के रीतिकालीन युग का विशिष्ट ज्ञान प्रमुख कवियों व उनकी कविता की समझ विकसित होगी	अंक	
इकाई- १ केशव			
	कविप्रिया (केशव ग्रंथावली) प्रभाव संख्या-3 (1 से 30) प्रभाव संख्या-5 (1 से 20)		
इकाई-२ कवि देव			
	रस विलास (देव ग्रथावली) द्वितीय विलास 1-20 तृतीय विलास 1-20		
इकाई-३ कवि पद्माकर			
	जगदविनोद (पदमाकर ग्रंथावली) पद संख्या - 1 से 40		
इकाई-४ कवि भूषण			
	शिवाबावनी (संपूर्ण) छंद संख्या 1 से 50		

प्रस्तावित सन्दर्भग्रन्थ

केशवदास : सं. विजयपाल सिंह

केशवदास : जगदीश गुप्त

कविप्रिया प्रकाश : डॉ ओमप्रकाश

केशव की काव्यधारा : शिवनारायण शुक्ल

केशव ग्रंथावली (खंड - 1,2,3) : स. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

केशव और उनका साहित्य : डॉ. विजयपाल सिंह

देव ग्रंथावली : लक्ष्मीधर मालवीय

देव और उनकी कविता : डॉ. नगेन्द्र

पद्माकर कृत जगद्विनोद : सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

अन्य सहायक पुस्तकें

संक्षिप्त भूषण : डॉ. भगवानदास तिवारी

हिंदी वीरकाव्य : टीकमसिंह तोमर

चर्तुथ सत्र	प्रश्न पत्र तृतीय - संस्कृत साहित्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम (वैकल्पिक)	पूर्णांक १००	क्रेडिट ०६
	पाठ्यविषय	अंक	
इकाई- १			
	मृच्छिकटिकम्		
इकाई-२			
	उत्तर रामचरितम्		
इकाई-३			
	रघुवंशम् (प्रथम सर्ग)		
इकाई-४			
	मेघदूतम्		

प्रस्तावित सन्दर्भग्रन्थ : नंदा जी

चर्तुथ सत्र	प्रश्न पत्र चर्तुथ - ऐच्छिक पाठ्यक्रम (वैकल्पिक)	पूर्णांक १००	क्रेडिट ०६
	पाठ्यविषय	अंक	
इकाई- १			
	अभिज्ञानशाकुंतलम्		
इकाई-२			
	शिवराजविजय		
इकाई-३			
	पञ्चतत्रम् , शुकनासोपदेश:		
इकाई-४			
	नीतिशतकम्		
इकाई-५			
	चन्द्रालोक पञ्चम मयूख		

प्रस्तावित सन्दर्भग्रन्थ : नंदा जी

चर्तुथ सत्र	**प्रश्न पत्र पंचम** - रीतिकालीन रीतिमुक्त काव्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम (वैकल्पिक)	**पूर्णांक** १००	**केडिट ०६**
	पाठ्यविषय	**अंक**	
इकाई- १			
	घनानंद: घनानंद ग्रंथावली: संपादक: विश्वनाथ प्रसाद मिश्र सुजानहित-प्रथम 40 पद पदावली-प्रथम 40 पद		
इकाई-२			
	कविठाकुर, ठाकुर ग्रंथावली: विश्वनाथ प्रसाद मिश्र प्रथम 40 पद		
इकाई-३			
	कवि बोधा, बोधा ग्रंथावली संपादक विश्वनाथ प्रसाद मिश्र इश्कनामा प्रथम 30 पद		
इकाई-४			
	कवि आलम: आलम ग्रंथावली: संपादक विद्या निवास मिश्र सुदामा चरित (संपूर्ण)		

प्रस्तावित सन्दर्भग्रन्थ

रीतिकालीन रीतिमुक्त काव्य में लोकतत्व - डॉ जगदेव कुमार शर्मा

रीतिमुक्त काव्य और कवि ठाकुर - डॉ जगदेव कुमार शर्मा

चतुर्थ सत्र	**प्रश्न पत्र** षष्ठ - कथाकार प्रेमचन्द ऐच्छिक पाठ्यक्रम (वैकल्पिक)	पूर्णांक १००	क्रेडिट ०६
	पाठ्यविषय	**अंक**	
इकाई- १			
	उपन्यास-रंगभूमि, सेवासदन, गबन		
इकाई-२			
	नाटक: कर्बला		
इकाई-३			
	आलोचना-साहित्य का उद्देश्य		
इकाई-४			
	कहानियाँ- नमक का दरोगा, पूस की रात, सतरंत के खिलाड़ी, पंचपरमेश्वर,सवाशेर गेहूँ,सद्गति, ईदगाह, दूध का दाम, दो बैलो की कथा, नशा		

प्रस्तावित सन्दर्भग्रन्थ

प्रेमचन्द - घर में - शिवरानी देवी

प्रेमचन्द : एक विवेचन - इन्द्रनाथ मदान

प्रेमचंद और उनका युग - रामविलास शर्मा

प्रेमचंद : कलम का सिपाही - अमृतराय

प्रेमचंद - मदनगोपाल

प्रेमचंद - जीवन, कला एवं कृतिव - हंसराज रहबर

प्रेमचंद : साहित्यिक विवेचन - नंददुलारे वाजपेयी

कथाकार प्रेमचंद - मन्मथनाथ गुप्त

प्रेमचंद : एक अध्ययन - राजेश्वर गुरू

प्रेमचंद की उपन्यास कला - जनार्दन प्रसाद राय

प्रेमचंद एवं भारतीय किसान - रामवक्ष

प्रेमचंद : गंगा प्रसाद विमल

प्रेमचंद के साहित्य सिद्धान्त - नरेन्द्र कोहली

प्रेमचंद : एक कला व्यक्तित्व

प्रेमचंद स्मृति : सं. अमृतराय

प्रेमचंद : चिंतन और कला - सं. इन्द्रनाथ मदान

प्रेमचंद और गोर्की - श्री मधु, प्रगति प्रकाशन, मास्को

हिंदी उपन्यास : विशेषत: प्रेमचंद : नलिन विलोचन शर्मा

चतुर्थ सत्र	**प्रश्न पत्र** सप्तम - भारतेन्दु हरिशचंद ऐच्छिक पाठ्यक्रम (वैकल्पिक)	**पूर्णांक** १००	**क्रेडिट ०६**
	पाठ्यविषय	**अंक**	
इकाई- १			
	भारतेन्दु के निबंध: संपादक केशरी नारायण शुक्ल प्रकाशन-सरस्वती मंदिर, वाराणसी		
इकाई-२			
	नाटक, भारतदुर्दशा वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति, नीलदेवी, भारतेन्दु ग्रंथावली भाग । नागरीप्रचारिणी सभा, काशी		
इकाई-३			
	प्रेममालिका, प्रेममाधुरी, कृष्ण चरित्रमाला, भारतेन्दु ग्रंथावाली भाग 2		
इकाई-४			
	निबंध आलोचना नामक निबंध		

प्रस्तावित सन्दर्भग्रन्थ

भारतेन्दु और उनके सहयोगी - डॉ किशोरी लाल गुप्त, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी

भारतेन्दु युग और हिन्दी भाषा की विकास परम्परा - डॉ राम विलास शर्मा, रामकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

पत्र-पत्रिकाओं का इतिहास - डॉ राम रतन भटनागर

आधुनिक हिन्दी साहित्य - डॉ लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, हिंदी परिषद, प्रयाग

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र - डॉ रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली

चतुर्थ सत्र	**प्रश्न पत्र** अष्टम - जयशंकर प्रसाद ऐच्छिक पाठ्यक्रम (वैकल्पिक)	**पूर्णांक** १००	**क्रेडिट ०६**
	पाठ्यविषय	**अंक**	
इकाई- १			
	नाटक- ध्रुवस्वामिनी, चन्द्रगुप्त, जनमेजय का नाग यज्ञ		
इकाई-२			
	उपन्यास: इरावती		
इकाई-३			
	कहानी- प्रतिध्वनि, आँधी, पुरस्कार, गुंडा, सालवती		
इकाई-४			
	आँसू (संपूर्ण)		

प्रस्तावित सन्दर्भग्रन्थ

जयशंकर प्रसाद - आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी

नया साहित्य : नये प्रश्न : आचार्य नंददुलारे वाजपेयी, मैकमिलन, नई दिल्ली

जयशंकर प्रसाद : वस्तु और कला - डॉ रामेश्वर खण्डेलवाल

प्रसाद और उनका साहित्य - विनोद शंकर व्यास

प्रसाद का काव्य - डॉ प्रेमशंकर, भारती भंडार, इलाहाबाद

प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन - डॉ जगन्नाथ प्रसाद शर्मा

प्रसाद का जीवन और साहित्य - डॉ रामरतन भटनागर

हिंदी नाटक - डॉ बच्चन सिंह

प्रसाद का गद्य साहित्य - डॉ राजमणि शर्मा

प्रसाद : दुखान्त नाटक - रामकृष्ण शुक्ल श्रीमुख

नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान - डॉ वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी, जगतराम एंड संस, मेन बाजार, गांधीनगर, दिल्ली

चर्तुथ सत्र	**प्रश्न पत्र** नवम - आचार्य रामचंद शुक्ल ऐच्छिक पाठ्यक्रम (वैकल्पिक)	**पूर्णांक** १००	**क्रेडिट** ०६
	पाठ्यविषय	**अंक**	
इकाई- १			
	चिंतामणि भाग 1. (नागरीप्रचारिणी सभा काशी)		
इकाई-२			
	चिंतामणि भाग 2. (नागरीप्रचारिणी सभा काशी)		
इकाई-३	चिंतामणि भाग 3, सम्पादक डॉ नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली		
इकाई-४	रसमीमांसा-संपादक विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (नागरीप्रचारिणी सभा काशी)		
	आचार्य शुक्ल की इतिहास दृष्टि से भी प्रश्न पूछा जाएगा। व्याख्या केवल चिंतामणि से पूछी जाएगी।		

प्रस्तावित सन्दर्भग्रन्थ

चर्तुथ सत्र	**प्रश्न पत्र** दशम - हजारी प्रसाद द्विवेदी ऐच्छिक पाठ्यक्रम (वैकल्पिक)	**पूर्णांक** १००	**क्रेडिट ०६**
	पाठ्यविषय	**अंक**	
इकाई- १			
	उपन्यास- अनाम दास का पोथा, मेघदूत एक पुरानी कहानी)		
इकाई-२			
	निबंध: देवदारू, कुटज, कल्पलता		
इकाई-३			
	समीक्षा: कुबीर		
इकाई-४			
	इतिहास: हिंदी साहित्य की भूमिका		

प्रस्तावित सन्दर्भग्रन्थ

शान्ति निकेतन से शिवालिक - सं डॉ शिवप्रसाद सिंह

दूसरी परम्परा की खोज - डॉ नामवर सिंह

हजारी प्रसाद द्विवेदी - सं विश्वनाथ त्रिपाठी

उपन्यासकार हजारी प्रसाद द्विवेदी : डॉ त्रिभुवन सिंह

आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी का साहित्य -डॉ चौथीराम यादव, हरियाणा ग्रंथ अकादमी

आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी - व्यक्तित्व एवं कृतिव, सं गणपति चन्द्र गुप्त

चर्तुथ सत्र	**प्रश्न पत्र एकादश** - यशपाल ऐच्छिक पाठ्यक्रम (वैकल्पिक)	**पूर्णांक** १००	**क्रेडिट ०६**
	पाठ्यविषय	**अंक**	
इकाई- १ व २			
	यशपाल उपन्यास-झूठासच, दिव्या, मनुष्य के रूप		
इकाई-३			
	कहानी पराया सुख, परदा, फूलो का कुर्त्ता, प्रतिष्ठा का बोझ, दाम ही दास		
इकाई-४			
	निबंध, चक्रक्लब, गाँधीवाद की शव परीक्षा		

प्रस्तावित सन्दर्भग्रन्थ

यशपाल : हिंदी कथा साहित्य - सुरेशचन्द्र तिवारी

मार्क्सवाद और उपन्यासकार यशपाल - पारसनाथ मिश्र

यशपाल : उपन्यास, स्नेहलता शर्मा

यशपाल के उपन्यास विश्लेषणात्मक अध्ययन - सुदर्शन मलहोत्रा

यशपाल और मानिक बंदोपाध्याय, डॉ सदाशिव द्विवेदी, सामाजिक प्रकाशन, दिल्ली

चर्तुथ सत्र	प्रश्न पत्र द्वादश - अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग ऐच्छिक पाठ्यक्रम (वैकल्पिक) खंड क	पूर्णांक १००	क्रेडिट ०६
	पाठ्यविषय	अंक	
इकाई- १			
	अनुवाद, व्युत्तपत्ति, अर्थ और परिभाषा अनुवाद-विज्ञान, कला, शिल्प अथवा मिश्रित विद्या		
इकाई-२			
	अनुवाद प्रक्रिया-- विश्लेषण, अंतरण, पुर्नगठन, पुनरीक्षण		
इकाई-३			
	अनुवाद एवं समतुल्यता की सिद्धांत, अनुवादक की भूमिका		
इकाई-४			
	अनुवाद के प्रकार, लिप्यंतरण, अर्न्तआर्षिठ रूपांतरण, अर्थान्तरण, शाब्दिक, भावानुवाद, छायानुवाद, आशुनुवाद, साहित्यिक अनुवाद, पद्यानुवाद, गद्यानुवाद, नाट्यरुपांतरण, परिभाषिक शब्दावली		
	खंड ख		
	अनुवाद व्यवहार-अंग्रेजी से हिंदी (। अनुच्छेद) (सामाजिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक विषयों से संबंध अनुच्छेद)		

प्रस्तावित सन्दर्भग्रन्थ

अनुवाद साधना : पूरनचंद टंडन

सृजनात्मक साहित्य और अनुवाद : सं. सुरेश सिंघल, पूरनचंद टंडन

अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और अनुप्रयोग : नगेंद्र

अन्य सहायक पुस्तकें

अनुवाद शतक (दो) : स. पूरनचंद टंडन

कम्पयूटर अनुवाद : पूरनचंद टंडन

चर्तुथ सत्र	प्रश्न पत्र त्रयोदश - भारतीय भाषाओं का रंगमंच ऐच्छिक पाठ्यक्रम (वैकल्पिक)	पूर्णांक १००	क्रेडिट ०६
	पाठ्यविषय	अंक	
इकाई- १			
	तुगलक गिरिश कनार्ड		
इकाई-२			
	घासीराम को तवाल, विजय तेदुंलकर		
इकाई-३			
	आधे अधुरे-मोहन राकेश		
इकाई-४			
	पगलाघोडा- बादलसरकार		

प्रस्तावित सन्दर्भग्रन्थ

भारतीय रंगकोष : सं. प्रतिभा अग्रवाल

रंगयात्रा : राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय द्वारा प्रकाशित

रंग प्रसंग पत्रिका : राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय द्वारा नियमित प्रकाशन

आज के रंग नाटक : इब्राहिम अल्काजी

भारतीय तथा पाश्चात्य रंगमंच : सीताराम चतुर्वेदी

नाट्यशास्त्र : राधावल्लभ त्रिपाठी

नाट्यशास्त्र : रेवा प्रसाद द्विवेदी

रंगदर्शन : नेमिचंद जैन

अन्य सहायक पुस्तकें

नई रंग चेतना और हिंदी नाटककार : जयदेव तनेजा

नाट्यशास्त्र विश्वकोष : राधावल्लभ त्रिपाठी

हे सामाजिक : सुरेश अवस्थी

हिंदी रंगमंच और ऐतहासिक नाटक : माधुरी सुबोध

पारसी हिंदी रंगमंच : लक्ष्मीनारायण लाल

चर्तुथ सत्र	**प्रश्न पत्र चर्तुदश** - जनसंचार माध्यमों की विकास यात्रा **ऐच्छिक पाठ्यक्रम (वैकल्पिक)**	**पूर्णांक १००**	**क्रेडिट ०६**
	पाठ्यविषय	**अंक**	
इकाई- १			
	मीडिया तकनीक और समाज का अंत संबंध रेडियो और टेलीविजन के विकास सामान्य परिचय भारत में फिल्म, जनसंचार की अवधारणाएं, मॅकलुहान, रेमण्ड विलियम्स, एस हाल, पी.सी. जोशी		
इकाई-२			
	स्वाधीनता पूर्व हिंदी पत्रकारिता, उदगम विकास		
इकाई-३			
	स्वाधीनता के पश्चात की हिंदी पत्रकारिता और उसकी समस्याएं		
इकाई-४			
	संचार क्रांति और हिंदी पत्रकारिता, चुनौतियॉ		

प्रस्तावित सन्दर्भग्रन्थ

संचार माध्यमों का वर्ग चरित्र : रेमंड विलियम्स

पूंजीवाद और सूचना युग : संपा, सैक्वेस्नी वुड

संस्कृति विकास और संचार क्रांति : पी.सी.जोशी

अन्य सहायक पुस्तकें

हिंदी पत्रकारिता : कृष्णबिहारी मिश्र

भारतीय समाचार पत्रों का इतिहास : जेफ्री रोबिन्स

हिंदी पत्रकारिता के इतिहास की भूमिका : जगदीश्वर चतुर्वेदी

चर्तुथ सत्र	**प्रश्न पत्र पंचदश** - लोकसाहित्य के विविध आयाम लोक शैलियॉ एवं हिन्दी क्षेत्र **ऐच्छिक पाठ्यक्रम (वैकल्पिक)**	**पूर्णांक १००**	**क्रेडिट ०६**
	पाठ्यविषय	**अंक**	
इकाई- १			
	हिंदी-लोकसंस्कृति क्षेत्र और लोक शैलिया		
इकाई-२			
	लोकगीत, देवीगीत, संस्कार गीत, ऋतुगीत, आजादी के समय के लोकगीत		
इकाई-३			
	लोकगाथा, लोककथा, लोकआख्यान, लोकविश्वास		
इकाई-४			
	रामलीला, नौटंकी, स्वांग, (सांग, बिदेसिया)		

प्रस्तावित सन्दर्भग्रन्थ

Culture as Paraxis : Zygmunt Bauman
Archaeology and Folklore : Amy Gazin-Schwartz & Cornelins J.Holtorf (Edit)
Theory and History of Folklore : Vladimir Propp
Folklore, Myths and Legends : donna Rosenberg
Folk Culture in India : S.P.Pandey, Awadhesh Kumar Singh
Folk Culture of Manipur : Dr. M.Kirti Singh
An outline of the Cultural History of India : Syed Abdul Latif
Malabar and its Folk : T.K.Gopal Panikkar
Facets of Indian Culture : Dr. P.C.Muraleemadhavan (Edit.)

अन्य सहायक पुस्तकें

Mirrors of Indian Culture : Krishna Murthy
Varia Folklorica : Alan Dundes (Edit)
Flokways in Rajasthan : V.B.Mathur
Floktales of U.P.Tribes : Amir Hasan & Seemin Hasan
Indian Folk tales of North East : Tamo Mibang. P.T.Abrahan
Traditions of Indian Folk Dance : Kapila Vatsyayan
Many Ramayana: Richman
Folk Life : (Journal)

चर्तुथ सत्र	**प्रश्न पत्र षोड़श** - मध्यकालीन हिन्दी साहित्य : अवधारणा और स्वरूप ऐच्छिक पाठ्यक्रम (वैकल्पिक)	**पूर्णांक** १००	**क्रेडिट ०६**
	पाठ्यविषय- हिन्दी साहित्य के मध्यकालीन युग का विशिष्ट ज्ञान इतिहास, आलोचना और विचारकों की समझ विकसति करना	**अंक**	
इकाई- १			
	मध्यकालीन हिन्दी साहित्य : अभिप्राय, पृष्ठभूमि एवं परिस्थितियाँ काल सीमा, नामकरण का औचित्य मध्यकालीन हिन्दी साहित्य विषयक चिंतन एवं दृष्टियाँ : रामचंद्र शुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, डॉ नगेन्द्र		
इकाई-२			
	मध्यकालीन दार्शनिक चेतना एवं विविध दर्शन। मध्यकालीन सौन्दर्य चेतना और काव्य, लोक संस्कृति, काव्य, भक्ति काव्य का स्वरूप एवं भक्ति आंदोलन।		
इकाई-३			
	मध्यकालीन काव्यशास्त्रीय चिंतन की परंपरा मध्यकालीन हिन्दी काव्य में राष्ट्रीयता, नीति काव्य परंपरा और काव्य		
इकाई-४			
	मध्यकालीन हिन्दी साहित्य का काव्य-शिल्प मध्यकालीन काव्य भाषाएं--ब्रजभाषा, अवधीभाषा मध्यकालीन कविता और काव्य: रूप: प्रवन्ध, मुक्तक, प्रगीत		

प्रस्तावित सन्दर्भग्रन्थ

मध्ययुगीन काव्य : नया मूल्यांकन : जयभगवान गोपाल
मध्यकालीन साहित्य विमर्श : सं. सुधा सिंह
हिंदी सगुण काव्य की सांस्कृतिक भूमिका : रामनरेश वर्मा
मध्यकालीन हिंदी साहित्य : संवेदना, शास्त्र और समसामायिकता : सं. पूरनचंद टंडन एवं सुनील तिवारी
मध्यकालीन संत साहित्य में सामाजिक समरसता : विनीता कुमारी
मध्यकालीन प्रेम साधना : परशुराम चतुर्वेदी

अन्य सहायक पुस्तकें

निर्गुण काव्य की सांस्कृतिक भूमिका : रामसजन पांडेय

ब्रजभाषा के कृष्ण काव्य में माधुर्य भक्ति : रूपनारायण पांडेय

हिंदी साहित्य का उत्तर मध्यकाल : रीतिकाल : महेन्द्र कुमार

रीतिकालीन रीतिकवियों का काव्य शिल्प : महेन्द्र कुमार

रीतिकवियों की मौलिक देन : किशोरी लाल